राष्ट्रीय दृष्टिकोण से इतिहास का महत्त्व :-

भावात्मक एवं राष्ट्रीय एकता आधुनिक भारत की एक महत्त्वपूर्ण माँग है, जिसे किसी के द्वारा अस्वीकृत नही किया जा सकता है। आज भा में जिसकी सर्वाधिक आवश्यकता है वह भावात्मक एकता ही है, जिसके फलस्वरूप आन्तरिक कलह एवं संघर्ष देश की प्रगति पर घातक प्रभाव न डाल स भावात्मक एकता के लिए इतिहास का अध्ययन अत्य आवश्यक है। इसके अध्ययन से बालकों में विभिन्न अवधारणाएँ विकसित की जा सकती है, जो भावात्म एवं राष्ट्रीय एकता के लिए आधारशिला का कार्य करेंगी वे अवधारणाएँ निम्नलिखित हैं।

1 - विभिन्न समुदायों तथा अल्पसंख्यकों के योगदान का सम्मान करना।

2 - अपनी संस्कृति में निहित एकता को परखना।

3 - बालकों को इस सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कराना कि देश में जो भी उन्नति हुई, वह विभिन्न जातियों एवं समुदायों के लोगों के परस्पर मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों का ही परिणाम है।

4 - छात्रों को अपने अतीत का ज्ञान प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना और इस बात को परखने के लिए तत्पर बनाना कि वे एकीकृत संस्कृति के अधिकारी हैं।

5 - राष्ट्रीय संस्कृति के लिए जिन लोगों के योगदान दि हैं - चाहे वे विभिन्न क्षेत्रों के क्यों न हो उनको आदर प्रदान करना।

6 - बालकों में विभिन्न वातावरणों की अन्योन्याश्रि को समझने की चेतना का विकास करना।

प्राचार्य
... मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

इतिहास शिक्षण के उद्देश्य -

किसी भी कार्य को पूर्ण करने के लिए उद्देश्य का ज्ञान होना परमावश्यक है। अतः शिक्षण-कार्य उद्दे के अभाव में सुचारू रूप से संचालित नहीं किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में बी०डी० भाटिया ने लिखा है - उद्देश्यों के ज्ञान के अभाव में शि उस नाविक के समान है जो अपने लक्ष्य या मंजिल को नहीं जानता है और बालक उस पतवा विहीन नौका के समान है जो लहरों के थपेड़े खा किसी तट पर जा लगेगी"।

'शिक्षा' समाज की आधारशिला है। समाज में जिस प्रकार की शिक्षा होगी, उसी प्रकार के समाज का निर्माण होगा। अतः इस बात का सदैव प्रयास किया जाता है कि समाज के उद्देश्य, मांगों, आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं के अनुकूल हो। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर विभिन्न देशों में विभिन्न कालों में शिक्षा के विभिन्न उद्देश्यों का निर्माण किया गया।

प्रत्येक विषय के उद्देश्य सामान्य शिक्षा उद्देश्यों के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। शिक्षा के उद्देश्य उक्त वर्णित निर्धारकों के अनुरू निर्धारित किए जाते हैं। हमारे देश में माध्यमिक शिक्षा - आयोग ने निम्नलिखित उद्देश्य निर्धा किये -

1. लोकतान्त्रिक नागरिकता का विकास
2. नेतृत्व का विकास
3. व्यक्तित्व का विकास
4. व्यावसायिक कुशलता का विकास
5. चरित्र - निर्माण आदि

इतिहास शिक्षण के निम्नलिखित उद्देश्य होते हैं। जो उक्त वर्णित उद्देश्यों को पूर्ण करते हैं

(अ) इतिहास शिक्षण के सामान्य उद्देश्य

(ब) इतिहास शिक्षण के मुख्य (विशिष्ट) उद्